



GRIZZLY
COLLEGE OF EDUCATION
Recognised by NCTE: Affiliated to VBU Hazaribagh

प्रतिकृति

Monthly Bulletin ISSUE NOV-DEC - 2015

From the Director's Desk

एक अल्प विराम के बाद मासिक पत्रिका प्रतिकृति का प्रकाशन एक सुखद अनुभव है। यूँ गर्मी की तपती दोपहरी में मन्द और शीतल पवन के झोंके!

इस मासिक पत्रिका के प्रकाशन करने का उद्देश्य ही था

- पूरे माह के शैक्षणिक और CCA कार्यकलाप को प्रकाशित करना।
- अगले माह की योजनाओं की सूचना देना।
- छात्र/छात्राओं की प्रतिभा को एक प्लेटफार्म देना।

प्रतिकृति एक माध्यम है कॉलेज के सपनों को शिक्षकों के निर्देशन में विद्यार्थियों के सहयोग से पूरा करने में एक सार्थक भूमिका निभाने का। हमारी शुभकामनाएँ हैं कि प्रतिकृति का प्रकाशन अनवरत, बिना रुके, बिना ठहरे होता रहे।

आप सब स्वस्थ रहें – खुश रहें – सुरक्षित रहें !

मनीष कपसिमे

अविनाश सेठ

अरूण मिश्र



Dr. Sanjeeta Kumari
Principal

From Principal's Desk

I take great pride in bringing out this monthly bulletin with a broad view in making our Grizzly College of Education - a treasure trove of works done by the student-teachers here of who shall be leaders in innovation, entrepreneurship, creativity and management and "Technocrats of tomorrow, keeping them involved in deep impact programs so that the vital parameters of the reputation and glory of their almamater, quality of academic inputs, student care, infrastructure and job prospects are intact thus augmenting their overall quality of analysis and exposure to help them grow substantially.

There could be no better incentive for us to conduct this monthly exercise, let us build a smarter institution.

So, I bid you all to join us all smiles in a bid to constantly look over its shoulder and see what others are thinking and let out a chair for our upright and earnest endeavour.

न चिढ़ी न पैगाम, नौकरी ऑन द स्पोर्ट

न चिढ़ी न पैगाम, नौकरी ऑन द स्पोर्ट। है न, अजीबोगरीब बात, पर यह बात बिल्कुल सही है। नौकरी पाने की जद्दोजहद में जुटे युवाओं के लिए एक खुशखबरी है कि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हमारे कॉलेज में सात फरवरी को शिक्षक रोजगार मेला का आयोजन है। अगले सात फरवरी को 200 घरों में खुशियाँ आने वाली है। यह भी लम्बे समय के लिए रोजगार (नौकरी) के माध्यम से बेरोजगार युवाओं की झोली में खुशियों की बहार लाने की तैयारी में बी०ए०ड० कॉलेज प्रयासरत है। अगर आप अभी तक बेरोजगार हैं और किसी अच्छी नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो चिंता छोड़कर इंटरव्यू के लिए तैयार हो जाए। शिक्षा सेक्टर में नौकरियों का पिटारा खुलने वाला है। शिक्षक रोजगार मेले के लिए प्लेसमेन्ट सेल के प्रभारी प्रो० धर्मेन्द्र कुमार ने 100 से अधिक विद्यालयों को आमंत्रित किया है। उम्मीद है कि लगभग 35-36 विद्यालय आएँगे। इसमें झारखंड एवं बिहार के प्रतिष्ठित विद्यालय हैं।

डी० ए० वी० स्कूल के चार जोन ने आने की सहमति प्रदान किया है। इस मेले में केवल स्नातकोत्तर वालों को ही नौकरी नहीं मिलेगी, बल्कि स्नातक पास या एपियरिंग डिग्री धारी छात्रों को भी नौकरी मिलेगी। बहाली +2 उच्च विद्यालयों से लेकर निम्न प्राथमिक शिक्षक तक की होगी। रोजगार मेला सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक 7 फरवरी 2016 को आयोजित होगा। इसमें योग्यता के अनुसार सम्बन्धित विद्यालयों के बोर्डों में आवेदन व साक्षात्कार देकर युवा नौकरी हासिल करेंगे।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कुलपति प्रो० (डॉ०) गुरमित सिंह, विशिष्ट अतिथि डी० ए० वी० गया रिजन के डायरेक्टर डॉ० यू० एस० प्रसाद हैं।

Best House of the month Nov'15 : VIVEKANAND HOUSE

Best House of the month Dec'15 : ROUSSEAU HOUSE

ACHIEVEMENTS

100% Attendance in November'2015

Pankaj Yadav	609
Barnita Nag	620
Hanspal Kumar	621
Rakesh Kumar Sharma	637
Basudeo Kumar Yadav	638
Ranjeet Kumar	644
Habiba Fatmi	646

100% Attendance in December'2015

Pankaj Yadav	609
Sabita Kumari	612
Sapna Kumari	617
Barnita Nag	620
Hanspal Kumar	621
Rakesh Kumar Sharma	637
Basudeo Kumar Yadav	638
Lalita Kumari	639
Navlesh Prajapati	641
Ranjeet Kumar	644
Habiba Fatmi	646
Khushboo Choudhary	649
Aditya Ranjan	664
Nutan Kumari	667

Activities of the Month November & December'2015



Orientation Programme



Talent Search Programme



Guru Nanak Jayanti



Precise Writing Competition



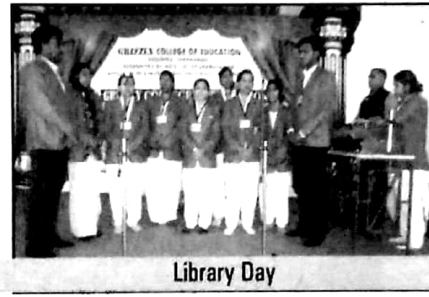
World Aids Day



Speaking Skill Competition



Library Day



Christmas Celebration



Picnic

हिन्दी भाषा

प्रकृति की पहली ध्वनि ऊँ है
मेरी हिन्दी भाषा भी, इसी ऊँ की देन है।
देवनागरी लिपि है इसकी, देवों की कलम से उपजी,
बंगला, गुजराती, भोजपुरी, पंजाबी और कई

हिन्दी है इन सब की जननी।
प्रकृति को हर चीज अपने से सम्पूर्ण है,
मेरी हिन्दी भाषा भी अपने में सम्पूर्ण है।

जो बोलते हैं वही लिखते हैं,
मन के भाव सही उभरते हैं।

हिन्दी भाषा ही तुम्हें, प्रकृति के समीप ले जाएगी,
मन की शुद्धि सहायक यह बन जाएगा
कुछ हवा चली है ऐसी यहाँ
कहते हैं मातृभाषा को बदल डालो।

बदल सको क्या तुम अपनी माता को?
मातृभाषा का क्यों बदलाव करो।

बदल सके तो अपनी सोच को बदल डालो
हर एक भाषा का तुम दिल से सम्मान करो।

हिन्द की जड़ों पर आओ हम गर्व करें,
हिन्दी भाषा पर आओ हम गर्व करें।।

सोनम कुमारी सिन्हा
रोल नं. - 626,
सत्र - 2015-17

Message Column

To

Book - Post